वर्द्धमान News
Digital Edition
शिक्षा का उजियारा
ब्यावर, 17 सितम्बर 2025, बुधवार
Email : vardhmannewsbwr@gmail.com
मूल्य : निःशुल्क





जिला स्तरीय कुश्ती व हैंडबॉल प्रतियोगिता का हुआ समापन

भंवरलाल गोठी पब्लिक सी.सै. स्कूल की मेजबानी में आयोजित









ब्यावर जिला स्तरीय चार दिवसीय कुश्ती व हैंडबॉल 17 व 19 वर्ग छात्र-छात्रा प्रतियोगिता का भव्य समापन वर्द्धमान कन्या पीजी महाविद्यालय के सभागार में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ नरेंद्र पारख रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तमचंद देरासरिया ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि समिति के कोषाध्यक्ष देवराज लोढा व प्रवीण खेतपालिया रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण व नवकार मंत्र जाप के साथ किया गया। तत्पश्चात संस्था प्रधान धर्मेंद्र शर्मा ने कार्यक्रम में पधारे समस्त अतिथियों का माला पहनकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का प्रतिवेदन संस्था प्रधान धर्मेंद्र शर्मा ने सभी खिलाड़ियों तथा अतिथियों को पढ़कर सुनाया। संस्था प्रधान ने बताया कि विद्यालय में चार दिवसीय कुश्ती व हैंडबॉल ब्यावर जिला स्तर का आयोजन रखा गया था जिसमें हैंडबॉल की 33 टीमों के 450 छात्र छात्राओं ने भाग लिया तथा कुश्ती के फ्री स्टाइल व ग्रेवीको रोमन में 30 टीमों के तकरीबन 180 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। भंवरलाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकंडरी स्कूल के कुश्ती खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए चार गोल्ड मेडल छ सिल्वर मेडल एवं पांच ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए।

अंडर 17 छात्र वर्ग में गोठी ने उत्कर्ष प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप हासिल की।

17 व 19 वर्ष छात्र वर्ग हैंडबॉल प्रतियोगिता में गोठी स्कूल उपविजेता रही। हैंडबॉल के सभी मैच श्री नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ (नाज) में सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक आयोजित हुए। हैंडबॉल कोच समीर एस. कुमार ने बताया कि हैंडबॉल में छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 व 19 आयु वर्ग में उपविजेता का खिताब प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ नरेंद्र पारख ने अपने उद्बोधन में बताया कि हमारे लिए यह परम सौभाग्य की बात है कि हमें हमारे जिले के विद्यालयों के आतिथ्य का अवसर मिल पाया है।

हमने अच्छे से अच्छी व्यवस्था की जिससे किसी भी खिलाड़ी को कोई परेशानी ना हो तथा टूर्नामेंट करवाने के लिए सभी निर्णायक गण और पधारे हुए सभी स्कूल के कोच को धन्यवाद दिया गया तत्पश्चात अतिथियों ने विजयी हुए सभी खिलाड़ियों को पारितोषिक प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन शारीरिक शिक्षक गौतम चौहान द्वारा किया गया। अंत में प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार शर्मा द्वारा सभी आगंतुक खिलाड़ियों एवं समस्त आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।















हैंडबॉल के मुकाबले नाज के मैदान में...



69 वीं जिला स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता(17 व 19 वर्षीय छात्र/छात्रा) के मुकाबले श्री नृसिंह अग्रसेन जैन सीबीएसई स्कूल (नाज) के खेल मैदान पर आयोजित किए गए।





कुश्ती के मुकाबले खेतपालिया स्किल ऑडिटोरियम में.. 69 वीं जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता (17 व 19 वर्षीय छात्र/छात्रा) के मुकाबले वर्द्धमान गर्ल्स कॉलेज प्रांगण में खेतपालिया स्किल डवलपमेंट सेंटर की मल्टीस्टोरी बिल्डिंग के टॉप पर बने कुश्ती ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुए।







वर्द्धमान रूट्स में अभिभावकों से चर्चा...

बच्चों का भविष्य संवारने में ज्ञान-आचरण एवं संस्कार जरूरी





श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित वर्द्धमान इंटरनेशनल स्कूल वर्द्धमान रूट्स में अभिभावकों से चर्चा रखी गई जिसमें विद्यालय की प्राचार्या श्वेता नाहर ने अभिभावकों से चर्चा की। यह विषय हम सबकी ज़िंदगी से जुड़ा है क्योंकि यह हमारे नन्हे-मुन्ने बच्चों के भविष्य को सँवारने वाला है।

कार्यक्रम की शुरुआत में सबसे पहले यह बताया गया कि बच्चों को गलत शब्द का प्रयोग करने से रोकना बहुत ज़रूरी है। छोटे बच्चे बहुत जल्दी हर बात पकड़ लेते हैं। अगर वे घर या बाहर कहीं भी गलत शब्द सुनेंगे, तो उसे तुरंत दोहराएंगे। इसलिए यह हम माता-पिता की जिम्मेदारी है कि हम बच्चों के सामने केवल शुद्ध, सकारात्मक और अच्छे शब्दों का प्रयोग करें।

दूसरी बात,आजकल मोबाइल का अत्यधिक उपयोग बच्चों के जीवन में सबसे बड़ी समस्या बन गया है। साथ ही ये समझाया कि बच्चों को कम से कम मोबाइल देना चाहिए, और कोशिश हो तो बिल्कुल भी न दें। खेल, कहानियाँ, चित्रकला और बातचीत—ये सब बच्चों की वास्तविक शिक्षा के साधन हैं, न कि मोबाइल स्क्रीन।

तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात—बच्चों की हर ज़िद पूरी करना सही नहीं है। यदि हर मांग तुरंत पूरी कर दी जाए, तो बच्चों में धैर्य, संतोष और कृतज्ञता जैसी अच्छी आदतें विकसित नहीं हो पातीं। कभी-कभी बच्चों को 'ना' कहना भी उनके व्यक्तित्व निर्माण के लिए ज़रूरी है। अभिभावकों को यह समझाया कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी यात्रा है जिसमें घर और विद्यालय दोनों की समान भूमिका होती है। इस बात पर जोर दिया गया कि बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा उनकी नींव होती है, और यदि यह नींव मजबूत होगी, तो बच्चे जीवन के हर क्षेत्र







में सफलता प्राप्त करेंगे।

यह भी बताया गया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा—चाहे वह नैतिक मूल्यों का संचार हो, अनुशासन का पालन हो या फिर बच्चों के भीतर रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना हो।

साथ ही बच्चों को एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय हेल्दी-फूड के बारे में समझाया। स्वस्थ शरीर ही सफलता और खुशहाल जीवन की नींव है। यदि हमारा भोजन पौष्टिक होगा तो हमारा मन, मस्तिष्क और शरीर—तीनों स्वस्थ रहेंगे। उन्होंने बच्चों को समझाया कि हमें रोज़ाना अपने भोजन में हरी सब्ज़ियाँ, फल, दूध, दाल और अनाज अवश्य शामिल करना चाहिए। ये हमारे शरीर को ऊर्जा, शक्ति और रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करते हैं। साथ ही यह भी समझाया कि जंक फूड जैसे चिप्स, कोल्ड-ड्रिंक और तैलीय भोजन स्वाद में भले ही अच्छे लगते हों, लेकिन ये हमारे शरीर के लिए हानिकारक हैं। ऐसे भोजन से बीमारियाँ जल्दी घेर लेती हैं और पढ़ाई तथा खेल-कूद पर भी असर पड़ता है।

बच्चों को यह प्रेरणा दी गई कि वे हर दिन ताज़ा और संतुलित भोजन करें, पानी पर्याप्त मात्रा में पिएँ और समय पर भोजन करने की आदत डालें।

साथ ही संदेश दिया कि यदि आज से ही हम सही खानपान अपनाएँगे, तो कल हमारा जीवन स्वस्थ और सफल होगा।

इस सार्थक चर्चा ने न केवल अभिभावकों को मार्गदर्शन दिया, बल्कि सभी को यह विश्वास भी दिलाया कि जब स्कूल और अभिभावक एक साथ चलेंगे, तभी हमारे नन्हें-मुन्नों का भविष्य सुनहरा होगा।

हर माता-पिता का कर्तव्य है कि वे अपने बच्चों को अच्छे संस्कार और शिष्टाचार सिखाएँ। 'धन्यवाद', 'कृपया', 'सॉरी', 'गुड मॉर्निंग' जैसे छोटे-छोटे शब्द बच्चों के व्यक्तित्व को बड़ा और प्रभावशाली बनाते हैं।

यह बातें केवल सुनने के लिए नहीं बल्कि अपने जीवन में उतारने के लिए हैं। यदि हम सब मिलकर इन बातों पर अमल करेंगे, तो हमारे नन्हे-मुन्ने बच्चे एक संस्कारी, सभ्य और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ेंगे। यदि हम सब इन बातों को जीवन में आत्मसात करें तो निश्चय ही हमारे बच्चे ज्ञान, आचरण और संस्कार—तीनों में श्रेष्ठता प्राप्त करेंगे।

साप्ताहिक
वर्द्धमान News
Digital Edition शिक्षा का उजियारा

Education is the most
Powerful weapon which you
Can use to change the world

ब्यावर
17 सितम्बर 2025, बुधवार

नाज़ के खिलाड़ियों का हुआ राज्य स्तर पर चयन





श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर द्वारा संचालित भंवरलाल गोठी पब्लिक सी.सेकंडरी स्कूल के तत्वाधान में श्री नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ (नाज) के मैदान में 4 सितंबर 2025 से 7 सितंबर 2025 को 69वीं जिला स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें श्री नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ, ब्यावर की छात्रा सुश्री जयश्री का हैंडबॉल 17वर्ष आयु और छात्र दिव्यांशु का हैंडबॉल 17 वर्ष आयु के अंतर्गत राज्य स्तर पर चयन हुआ। जो की नाज परिवार के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। इस अवसर पर प्रधानाचार्या डॉ .निवेदिता पाठक ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों के अंदर खेलों के प्रति रुझान बढ़ रहा है और इसमें अब माता-पिता भी काफी सहयोग कर रहे हैं। विद्यालय द्वारा भी बच्चों के अंदर खेल के प्रति अलख जगायी जा रही है, जिससे बच्चों का भविष्य तय होगा और वह अपनी मंजिल प्राप्त कर सकेंगे। इसमें विद्यालय शारीरिक शिक्षिका श्रीमती इंदिरा सैन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ नरेंद्र पारख, शैक्षणिक निदेशक डॉ आर सी लोढ़ा, प्रधानाचार्या डॉ निवेदिता पाठक, उपप्रधानाचार्य श्री नागेश राठौड ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की और शुभकामनाएं दीं।

नाज में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित









श्री वर्द्धमान समिति द्वारा संचालित श्री नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ, सेंदड़ा रोड में भारत विकास परिषद शाखा ब्यावर की ओर से गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या डॉ निवेदिता पाठक, उपप्रधानाचार्य नागेश राठौड़, कार्यालय अधीक्षक अजय चौधरी और परिषद सदस्यो ने सरस्वती मां के समक्ष माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन सरस्वती वंदना के साथ किया। प्रधानाचार्या द्वारा भारत विकास परिषद के सदस्यों का स्वागत किया गया।

इस दौरान स्कूल के 5 मेधावी छात्रों को भारत विकास परिषद शाखा के सदस्यों के द्वारा सम्मान किया गया। जिसमें भूमिका, परीक्षित यादव, मुकुल कुमावत, प्रिंस नवल, तेजस सिंह है। परिषद के सदस्यों ने विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों का सम्मान करवाया। प्रधानाचार्या डॉ निवेदिता पाठक ने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव के बारे में बताते हुए कहा कि मेघावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने से उनका मनोबल बढ़ता है और बाकी सभी विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलती है कि हम भी ऐसा काम करें जिससे हमें भी सम्मान मिले। इस अवसर पर वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ नरेंद्र पारख, शैक्षणिक निदेशक डॉ आर सी लोढ़ा, प्रधानाचार्या डॉ निवेदिता पाठक, उपप्रधानाचार्य नागेश राठौड़ और शिक्षकों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

वर्द्धमान रूट्स में टीचर्स डे सेलिब्रेशन







श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित शिक्षण संस्थान वर्द्धमान इंटरनेशनल स्कूल (वर्द्धमान रूट्स) में शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल की प्रिंसिपल श्वेता नाहर ने सभी शिक्षकों के लिए मनोरंजक गेम्स का आयोजन किया। शिक्षकों ने पूरे उत्साह और खुशी के साथ इन खेलों में भाग लिया और खूब आनंद उठाया। इस आयोजन का उद्देश्य शिक्षकों को सम्मानित करना और उन्हें एक पल के लिए पढ़ाई-लिखाई के बोझ से मुक्त कर मनोरंजन का अवसर देना था। विद्यालय का वातावरण हंसी और तालियों की गूंज से भर गया। सभी विद्यार्थियों ने भी इस नज़ारे को देखकर अपने शिक्षकों के प्रति प्रेम व सम्मान महसूस किया। शिक्षक दिवस का यह आयोजन अविस्मरणीय बन गया।

सामूहिक लोकगीत में नाज की छात्राएं रही द्वितीय



भारत विकास परिषद द्वारा पटेल स्कूल में आयोजित सामूहिक लोकगीत प्रतियोगिता में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ (नाज) की छात्राओं ने द्वितीय स्थान प्राप्त करके अगले चरण की प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

विद्यालय की संगीत एवं कला की शिक्षिका भारती मैडम के प्रशिक्षण और बच्चों के लगातार रियाज़ के परिणामस्वरूप यह प्रयास सफलता की प्राप्ति में सहायक रहा। विद्यालय की अंशिता खिंची, नेहा राठी, वंशिका शर्मा, गार्गी सिंह, सरस्वती चौधरी, दिपिका सैन, हर्षिता पारवानी, मीनाक्षी, ने अगले चरण की तैयारी के लिए अपना उत्साह दिखाया यहां यह बताना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि गायन के साथ साथ छात्र वैभव मुरझानी ने ढोलक पर बहुत ही सराहनीय संगत दी जिसकी सराहना सभा में उपस्थित सभी अतिथियों और निर्णायक मंडल ने की।

इस अवसर पर प्रधानाचार्या डॉ .निवेदिता पाठक ने कहा कि संगीत से छात्रों के मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिससे उनके मस्तिष्क के तार्किक व रचनात्मक पक्षों को सक्रियता मिलती है और साथ ही संगीत बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास में सहयोग भी देता है। उन्होंने आगे यह भी बताया कि संगीत बच्चों में अनुशासन और भाषा कौशल में सुधार लाने का एक बहुत उपयोगी विज्ञान भी है। अत: अभिभावक अपने बच्चों को अधिक से अधिक इस कला के लिए प्रेरित करें।

इस अवसर पर वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ नरेंद्र पारख, शैक्षणिक निदेशक डॉ आर सी लोढ़ा, प्रधानाचार्या डॉ निवेदिता पाठक, उपप्रधानाचार्य श्री नागेश राठौड ने छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में घोषित विशेष उपहार पाकर बच्चे हुए प्रफुल्लित





श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित शिक्षण संस्थान वर्द्धमान इंटरनेशनल स्कूल (वर्द्धमान रूट्स) में दिनांक 15 अगस्त के अवसर पर स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया था। उस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय प्रबंधन ने उन बच्चों को विशेष रूप से सम्मानित किया जिन्होंने पूरे वर्ष विभिन्न क्षेत्रों-शैक्षणिक, खेलकूद तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रबंधन द्वारा इन प्रतिभावान बच्चों के लिए उत्साहवर्धन के लिए विशेष उपहार की घोषणा की गई थी। वो विशेष उपहार बच्चों को प्रदान किए गए उपहार पाकर नन्हें बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर प्रबंधन समिति ने कहा कि ऐसे सम्मान बच्चों को और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करेंगे और वे भविष्य में भी विद्यालय तथा देश का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम् के साथ हुआ।

वर्द्धमान महाविद्यालय में आयोजित हिंदी सप्ताह का समापन





श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी. जी. महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ आर.सी. लोढ़ा के निर्देशन में 8 सितंबर से 13 सितंबर तक हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु हिंदी सप्ताह का समापन समारोह आयोजित हुआ।

इस हिंदी सप्ताह कार्यक्रम में अलग अलग दिवस में स्व रचित काव्य पाठ, हिंदी ज्ञान एवं मनोरंजन पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, तात्कालिक भाषण, निबंध लेखन, अनुच्छेद लेखन, कार्ड, पोस्टर, वाद-विवाद सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। हिंदी सप्ताह के सफल आयोजन में हिंदी विभाग की व्याख्याता मोनिका सोनी का विशेष योगदान रहा। हिंदी सप्ताह के समापन के अवसर पर अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने सभी छात्राओं को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि हिंदी के प्रचार और प्रसार में इस प्रकार के आयोजन हिंदी की स्थिति को ओर मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध होंगे तथा हिंदी भाषा की प्रगति के लिए महाविद्यालय द्वारा इस प्रकार के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य, कर्मचारीगण एवं छात्राऐं उपस्थित रही।



आकर्षक फूलों के बुके से गुलज़ार हुआ वर्द्धमान परिसर

वर्द्धमान गर्ल्स कॉलेज की होम साइंस स्टूडेंट्स का क्रिएशन







श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पीजी महाविद्यालय जोकि शैक्षणिक दक्षता के साथ-साथ कला-कौशल के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्टता बनाए हुए है। यहां की गृह विज्ञान विभाग की छात्राएं कुशल एवं अनुभवी फेकल्टी से कुशलता पूर्वक पाक-कला सीखकर एक से बढ़कर एक व्यंजन, खाद्य-पदार्थ को बना रही है साथ ही अन्य कला भी सीख रही है। उसी के अंतर्गत होम साइंस की स्टूडेंट ने आज आकर्षक रंगबिरंगे फूलों के बुके बनाए जिन्हें देखकर एक बारगी तो यकीन ही नहीं हुआ कि ये हमारी कॉलेज की छात्राओं द्वारा ही बनाए गए है। ऐसा लगा कि ये मार्केट में किसी कुशल व्यवसायी द्वारा ही बनाए गए होंगे जिनकी बाजार में कीमत भी महंगी रहती है। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ नरेंद्र पारख एवं महाविद्यालय प्राचार्य आर.सी.लोढा ने अपने कुशल संकाय सदस्य की सराहना करते हुए समस्त छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बताया कि भिन्न भिन्न नवाचार क्रिएशन से अध्ययनरत छात्राओं को उत्कृष्ट शैक्षणिक सुविधाओं के साथ स्वयं की प्रतिभा को निखारने के अनेक अवसर वर्द्धमान परिसर में अनवरत उपलब्ध है।

वर्द्धमान कॉलेज में मनाया शिक्षक दिवस समारोह

छात्राओं ने की शिक्षकों की वंदना, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से किया सम्मान













श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में छात्राओं द्वारा शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ आर.सी. लोढ़ा द्वारा नवकार मंत्र की स्तुति के उपरान्त पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने शिक्षकों का सम्मान किया। उन्होंने शिक्षकों को ज्ञान, अनुशासन और मूल्यों का दीपक बताया। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ आर. सी. लोढ़ा ने बताया कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन को आकार देते हैं। उनके मार्गदर्शन से समाज और राष्ट्र का भविष्य सुनिश्चित होता है। अकादमिक प्रभारी डॉ नीलम लोढ़ा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि शिक्षक मात्र किताबी ज्ञान ही नहीं वरन जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान करते है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य, ऑफिस स्टाफ, कर्मचारीगण व बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन शिक्षा की गुणवत्ता और छात्राओं के सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ हुआ।